

## संवैधानिक विधि – 1

- प्रश्न – 1 परिसंघात्मक संविधान के लक्षणों का वर्णन कीजिए। भारत का संविधान किस सीमा तक परिसंघात्मक है? व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 2 संविधान की उद्देशिका के महत्व को समझाते हुए बताइए कि क्या उद्देशिका में संशोधन हो सकता है?
- प्रश्न – 3 भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है। इस सम्बन्ध में संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 4 राज्य के नीति निर्देशक तत्व एक नये सामाजिक बदलाव के प्रति एक निर्देश है। व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 5 भारतीय संविधान के अनु0 32 की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 6 समता के अधिकार से आप क्या समझते हैं? क्या इसमें विभेद किया जा सकता है?
- प्रश्न – 7 संविधान में कौन कौन सी स्वतन्त्रताएं निहित हैं? उल्लेख करते हुए बताइए कि क्या इन पर किसी प्रकार का निर्वन्धन लगाया जा सकता है?
- प्रश्न – 8 प्राण एवं दैहिक स्वतन्त्रता को स्पष्ट कीजिए। इसके अन्तर्गत शिक्षा का अधिकार भी शामिल है।
- प्रश्न – 9 क्या संविधान धर्म मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध करता है?
- प्रश्न – 10 टिप्पणी
- (क) लोक सेवाओं में अवसर की समानता।
  - (ख) दोषसिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण।
  - (ग) गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।
  - (घ) शोषण के विरुद्ध संरक्षण।
  - (ङ) धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार।
  - (च) दोहरे दण्ड से संरक्षण।
  - (छ) जीविकोपार्जन का अधिकार।
  - (ज) मौलिक कर्तव्य।
  - (झ) निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार।
  - (ञ) शक्ति पृथक्करण का सिद्धान्त।

## पारिवारिक विधि (हिन्दू विधि)

- प्रश्न – 1 हिन्दू विधि के विभिन्न स्रोतों तथा उनके महत्व का वर्णन कीजिए।
- प्रश्न – 2 हिन्दू विधि के मिताक्षरा तथा दायभाग शाखाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न – 3 हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अन्तर्गत वैध विवाह के आवश्यक शर्तों की विवेचना कीजिए।
- प्रश्न – 4 हिन्दू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत विवाह विच्छेद के विभिन्न आधारों की विवेचना करें।
- प्रश्न – 5 वैध दत्तक ग्रहण के आवश्यक शर्तों की विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
- प्रश्न – 6 नैसर्गिक संरक्षक कौन है तथा इसकी शक्तियों की भी विवेचना करें।
- प्रश्न – 7 कर्ता कौन हो सकता है तथा इसकी शक्तियां क्या हैं?
- प्रश्न – 8 विभाजन से क्या अभिप्राय है? मिताक्षरा विधि के अन्तर्गत विभाजन कैसे होता है? क्या विभाजन दोबारा हो सकता है?
- प्रश्न – 9 भरण पोषण, स्त्रीधन, दान।

### आपराधिक विधि – 1 (आई.पी.सी)

- प्रश्न – 1 अपराध को परिभाषित कीजिए तथा इसके आवश्यक तत्वों की व्याख्या करते हुए अपकृत्य से अन्तर कीजिए।
- प्रश्न – 2 दण्ड को परिभाषित कीजिए। दण्ड के विभिन्न सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
- प्रश्न – 3 भा.द.स. के अन्तर्गत एक बचाव के रूप में दुर्घटना की विवेचना कीजिए।
- प्रश्न – 4 व्यक्तिगत प्रतिरक्षा से आप क्या समझते हैं? उन परिस्थितियों की विवेचना कीजिए। जिनमें शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा का विस्तार मृत्युकारिता करने तक होता है।
- प्रश्न – 5 अपराध के विभिन्न चरण कौन कौन से हैं? अपराध कारित करने में तैयारी एवं प्रयत्न के मध्य विभेद कीजिए।
- प्रश्न – 6 दुष्प्रेरण को परिभाषित कीजिए तथा दुष्प्रेरण एवं आपराधिक षडयन्त्र में अन्तर कीजिए।
- प्रश्न – 7 सामान्य आशय के सिद्धान्त को समझाइये। यह सामान्य उद्देश्य से किस प्रकार भिन्न है?
- प्रश्न – 8 “अपराध के गठन के लिए दोषपूर्ण कृत्य तथा दोषपूर्ण मस्तिष्क दोनों संगामी होने चाहिए” भा.द.सं. के सुसंगत उपबन्धों की सहायता से टिप्पणी कीजिए।
- प्रश्न – 9 निम्न पर टिप्पणी लिखिए –
- (क) मत्तता,
  - (ख) आवश्यकता
  - (ग) राजद्रोह
  - (घ) बलवा एवं दंगा,
  - (ङ) मृत्यु दण्ड

## संविदा विधि – 1

- प्रश्न – 1 “सभी संविदायें करार होती हैं, परन्तु सभी करार संविदा नहीं होते।” उपरोक्त कथन के प्रकाश में एक विधिक संविदा के आवश्यक तत्वों की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 2 प्रस्ताव की परिभाषा दीजिए तथा एक विधिक प्रस्ताव के आवश्यक तत्वों का उल्लेख कीजिए। प्रस्ताव एवं प्रस्ताव के लिए आमन्त्रण में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न – 3 संविदा विधि के अन्तर्गत ‘नैराश्यता’ के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? संविदा पर नैराश्यता के वैधानिक प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 4 ‘बिना प्रतिफल के करार शून्य है’। व्याख्या कीजिए। इस नियम के यदि कोई अपवाद हो तो बताइए।
- प्रश्न – 5 कब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करने की स्थिति में होता है? अनुचित दबाव के साक्ष्य का भार किस पर होता है?
- प्रश्न – 6 बाजी के करार क्या हैं? बाजी करार के विधिक प्रभाव पर कथन कीजिए।
- प्रश्न – 7 उन आधारों का वर्णन कीजिए जिन पर न्यायालय द्वारा संविदा का विनिर्दिष्ट अनुपालन का उपचार प्रदान किया जा सकता है।
- प्रश्न – 8 संक्षिप्त टिप्पणी
- (i) संविदा की गुप्तता
  - (ii) संयोग संविदा या समाश्रित संविदा
  - (iii) संविदाओं के समाप्ति के ढंग
  - (iv) व्यापार अवरोधी करार
  - (v) समाश्रित संविदा तथा बाजी करार में अन्तर
  - (vi) कपट को परिभाषित कीजिए एवं इसके आवश्यक तत्व बताइए।
  - (vii) संविदा कल्प
  - (viii) अस्थायी व्यादेश

## लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि

- प्रश्न – 1 अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति और स्रोतों की व्याख्या कीजिए। क्या आप सहमत हैं कि 'सभ्य राष्ट्रों' द्वारा स्वीकृत विधि के सामान्य सिद्धान्त मुख्य स्रोत है?
- प्रश्न – 2 "राज्य मान्यता एवं केवल मान्यता से ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्ति होता है" की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 3 प्रत्यर्पण से आप क्या समझते हैं? इसकी शर्तों की व्याख्या कीजिए। प्रत्यर्पण एवं शरण में विभेद कीजिए।
- प्रश्न – 4 संयुक्त राष्ट्र के महासभा के गठन एवं कार्यों का उल्लेख कीजिए।
- प्रश्न – 5 अन्तर्राष्ट्रीय विधि क्या है? इसकी कमजोरियों को बताते हुए राज्य विधि से इसके सम्बन्ध का वर्णन करें।
- प्रश्न – 6 राज्य क्षेत्राधिकार से क्या समझते हैं? क्षेत्राधिकार के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करें।
- प्रश्न – 7 युद्ध को परिभाषित कीजिए? युद्ध कब प्रारम्भ होता है एवं इसे कब समाप्त माना जाता है?
- प्रश्न – 8 संक्षिप्त टिप्पणी
- (क) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय
  - (ख) राज्यनायिक दूतों के विशेषाधिकार व उन्मुक्तियां
  - (ग) खुला समुद्र
  - (घ) द्वैतवाद का सिद्धान्त
  - (ङ) नाकाबन्दी
  - (च) युद्धमान आधिपत्य
  - (छ) राष्ट्रीयता
  - (ज) महाद्वीपीय मग्न तट भूमि
- प्रश्न – 9 "अन्तर्राष्ट्रीय विधि वास्तव में विधि नहीं है बल्कि नैतिक बल वाले आचरण सम्बन्धी नियमों की एक संहिता मात्र है।" इस कथन के आलोक में अन्तर्राष्ट्रीय विधि की वास्तविक प्रकृति की विवेचना कीजिए।

## अपकृत्य विधि – 1

- प्रश्न – 1 अपकृत्य की परिभाषा बताइए। अपकृत्य अपराध एवं संविदा भंग से किस प्रकार भिन्न है? व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 2 प्रतिनिधिक दायित्व के सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्र ठेकेदार के कार्यों के लिए स्वामी के दायित्व की व्याख्या कीजिए।
- प्रश्न – 3 कठोर दायित्व के नियम की संक्षिप्त विवेचना करते हुए इसके अपवादों का वर्णन कीजिए।
- प्रश्न – 4 'सम्मति के आधार पर हुई' क्षति की विवेचना कीजिए इसके अपवादों को निर्णीत वादों के द्वारा समझाइए।
- प्रश्न – 5 "अपकृत्य एक सिविल दोष है, जिसका उपचार अनिर्धारित नुकसानी की कार्यवाही है तथा जो मात्र संविदा भंग या न्यास भंग नहीं है।" विवेचना कीजिए।
- प्रश्न – 6 मिथ्या कारावास से आप क्या समझते हैं? इसमें और विद्वेषपूर्ण अभियोजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न – 7 अपने कर्मचारियों द्वारा की गई दुष्कृत्य के लिए सरकार के दायित्व की विवेचना कीजिए।
- प्रश्न – 8 सूत्र बिना हानि के क्षति की व्याख्या कीजिए तथा प्रमुख वाद भी बताइए।

## Constitutional Law -1

- Q-1 Discuss the characteristics of a federal constitution. How for the constitution of India is Federal? Explain.
- Q-2 Can preamble be Amended? Explaining with the importance of preamble of constitution.
- Q-3 India is a secular state. Discuss the constitutional Provisions in this respect.
- Q-4 Directive Principles of policy is a direction for a new social change. Explain.
- Q-5 Explain the nature, scope & importance of Art 32 of the Indian constitution.
- Q-6 What do you understand by the right to equality? Is it discriminate.
- Q-7 What are the freedoms vested in the constitution Explain that any restriction can be imposed on it?
- Q-8 Explain the rights life & personal liberty. Is it include right to Education.
- Q-9 Is the constitution Prohibits any discrimination on the grounds of religion, race, caste, sex and place of birth.
- Q-10 Short notes
- (i) Equality of Opportunity in public employment.
  - (ii) Protection in respect of conviction.
  - (iii) Protection against arrest and detention
  - (iv) Protection against Exploitation.
  - (v) Right to freedom of religion
  - (vi) Protection of double Jeopardy
  - (vii) Right to Livelihood.
  - (viii) Fundamental Duties
  - (ix) Right to free legal Aid.
  - (x) Principle of separation of power.

## **Hindu Law**

- Q-1 Discuss the resources of Hindu Law and its Importance.
- Q-2. What are the main difference between the Mitakshra & Dayabhaga schools of Hindu law?
- Q-3. Described the essential condition of a void Hindu marriage under the Hindu marriage Act 1955.
- Q-4. Described the various ground of divorce.
- Q-5. Explain with detail essential element of valid adoption.
- Q-6. Who is the natural guardian and described his powers.
- Q-7. Who is the karta and explain its powers.
- Q-8. What do you mean by Partition Discuss the various method of partition who there reopening of partition is Allowed? Explain.



## Criminal Law 1<sup>st</sup> (I.P.C.)

- Q-1 Define Offence and explain its essentials. How is it different from Tort.
- Q-2 Define punishment and explain different principle of punishment.
- Q-3 Discuss accident as defence under Indian Penal Code.
- Q-4 What do you understand by private defense? Discuss the circumstances under which the right to private defence of body intends to causing death.
- Q-5 What are the various stages of crime? Differentiate between preparation and attempt to commit crime.
- Q-6 Define abetment and distinguish between abetment and criminal conspiracy.
- Q-7 Explain the principle of common intention and how it differs from common object?
- Q-8 "Actus non facit reum, nisi mens sit rea" comment with the help of relevant provisions of Indian Penal Code.
- Q-9 Short Note-
- (a) Intoxication
  - (b) Necessity
  - (c) Seditious
  - (d) Riot and Affray
  - (e) Capital Punishment

## Law of Contract -1

- Q-1 All contracts are agreements but all agreements are not contracts. In the light of the above observation. Explain the essentials of a valid contract.
- Q-2 Define "Proposal" and explain the essentials of a valid proposal Distinguish between 'Offer' and invitation to an offer.
- Q-3 What do you mean by the "Doctrine of frustration" under the law of contract? Explain the Legal effects of the frustration upon a contract.
- Q-4 'Agreement without consideration is void' . Explain give exceptions, if any to this rule.
- Q-5 When a person deemed to be in position to dominate the will of another person? On whom the burden of proof lies in case of undue influence?
- Q-6 What are agreements by way of wagers? State the legal effects of wagering agreements.
- Q-7 Explain the grounds on which the remedy of specific performance of a contract may be granted by court.
- Q-8 Short notes.
- (i) Doctrine of the privity of contract
  - (ii) Contingent contract
  - (iii) Modes of Discharge of contract
  - (iv) Agreement in restraint of trade.
  - (v) Distinguish between contingent contract and wagering agreement.
  - (vi) Define fraud and Its essential elements.
  - (vii) Quasi contract.

Temporary Injunction.

## Public International Law

- Q-1 Discuss the nature and sources of International Law ? What do you agree the general Principles of law recognized by civilized states are main sources.
- Q-2 "State becomes an international Person through recognition only exclusively" Discuss.
- Q-3 What do you understand by Extradition? Discuss its conditions? Differentiate between extradition and Asylum.
- Q-4 Discuss the composition and Functions of United Nations General Assembly?
- Q-5 Define the term 'International Law' Discuss its weaknesses as well as its difference with Municipal Law.
- Q-6 Explain the meaning of the 'State Jurisdiction'. What are different modes of stated Jurisdiction.
- Q-7 Define the term ' War how the war is commenced & terminated.
- Q-8 Short Note.
- (i) International Court of Justice.
  - (ii) Privileges and immunities of diplomatic Ambassador.
  - (iii) High Sea.
  - (iv) Blockade.
  - (v) Belligerent occupation
  - (vi) Nationality
  - (vii) Continental Shelf.
- Q-9 " International Law is not a true law but a code of rules of conduct of moral force Only". In the light of this statement discuss the true nature of International Law.

## Law of Tort -1

- Q-1 Define Tort. How tort is different from crime and breach of contract? Explain.
- Q-2 In the light of the principle of vicarious liability discuss the act of master for the tort of Independent contractor.
- Q-3 Discuss briefly the 'Rule of strict Liability'. State its exceptions if any.
- Q-4 Explain the maxim 'Volenti non fit Injuria'. Give its exceptions with the help of cases.
- Q-5 "Tort is a civil wrong, which is redressible by on action for unliquidated damages and which is other than a mere breach of contract or a breach of trust." Discuss.
- Q-6 What is false imprisonment? Distinguish it from malicious prosecution.
- Q-7 Discuss the liability of government for tort committed by its employees.
- Q-8 Explain the maxim 'Injuria sine dammo' with leading cases.